

मेरी मैया चली असुवन धारा बही विदाई भजन लिरिक्स



मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही,
नौ दिन मैया ने,
बेटो की विपदा हरी,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही। **bd।**

सारे जगत की है महारानी,
भक्तों की श्रद्धा माता ने जानी,
दिल में है खलबली,
असुवन धारा बही,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही। **bd।**

मैया अतिथि बन कर आई,
जगमग दीपक ज्योत जलाई,
सब की बिगड़ी बनी,
असुवन धारा बही,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही। **bd।**

आज विदाई मैया की आई,
भक्तों ने महिमा मैया की गाई,
मन में ज्योत जली,
असुवन धारा बही,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही। **bd।**

दास 'हेमेश' की विनती सुनलो
सब की अर्जी माँ पूरी करदो,
रेवा के तीर चली,
असुवन धारा बही,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही। **bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही,
नौ दिन मैया ने,
बेटो की विपदा हरी,
मेरी मैया चली,
असुवन धारा बही।

गायक – हेमेश राज ।
